

मार्ग जिसका निर्माण सार्वजनिक स्तर पर जन साधारण के उपयोग के लिए किया गया हो।

राजमुद्रा स्त्री. (तत्.) राज.विधि प्राचीन भारत तथा पूर्व रजवाड़ों में राजा अथवा राज्य की वह अधिकृत मोहर जो राजकीय पत्रों और आदेशों पर अंकित की जाती थी।

राजमूल पुं. (तत्.) बड़ी प्रजाति का चुकंदर जो पशुओं के चारे के रूप में प्रयुक्त होता है।

राजयक्ष्मा स्त्री. (तत्.) आयु. एक संचारी रोग जो जीवाणु माइक्रोबैक्टीरिया ट्यूबरकुलोसिस के संक्रमण से होता है, यह शरीर के किसी भी भाग में हो सकता है, पर विशेषतः यह रोग फेफड़ों को प्रभावित करता है, इसके प्रमुख लक्षणों में ज्वर, खाँसी, थूक में खून आना तथा छाती में दर्द होता है, यह रोग असाध्य माना जाता था, लेकिन अब इसका उपचार संभव है, पर्या. तपेदिक, यक्ष्मा।

राजयान पुं. (तत्.) राजा का रथ, राजा की सवारी, पालकी।

राजयोग पुं. (तत्.) योग. महर्षि पतंजलि द्वारा निर्दिष्ट अष्टांग योग, चित्तवृत्ति, निरोध की साधना ज्यो. जातक की कुंडली में केंद्रेश तथा त्रिकोणेश के संबंध से बनने वाला विशिष्ट योग, कुंडली में इस योग की उपस्थिति से जातक को महत्वपूर्ण राजकीय पद अथवा अन्य अधिकार पूर्ण पद प्राप्त होने की संभावना बनती है, यह योग जितना अधिक प्रबल होगा उतना ही अधिक उसके फलदायी होने की संभावना होगी।

राज-राज पुं. (तत्.) 1. प्रमुख राजा, सम्राट, महाराज 2. कुबेर 3. चंद्रमा।

राजराजेश्वर पुं. (तत्.) 1. राजाधिराज 2. एक रसौषध जो दाद, कुष्ठ आदि रोगों में उपयोगी मानी जाती है।

राजरोग पुं. (तत्.) राजसी रोग, असाध्य रोग।

राजर्षि पुं. (तत्.) राजवंश में या क्षत्रिय कुल में उत्पन्न ऋषि, राजकीय ऋषि, संत समान राजा।

राजलक्षण पुं. (तत्.) 1. छत्र, चँवर आदि राजचिह्न 2. सामुद्रिक शास्त्र में किसी मनुष्य के राजा होने या भविष्य में बनने के संकेत देने वाले शारीरिक लक्षण या राजकीय चिह्न।

राजलक्ष्म पुं. (तद्.) राजा के साथ-साथ चलने वाले छत्र, चँवर आदि राजचिह्न।

राजलक्ष्मी स्त्री. (तत्.) राजा का सौभाग्य, राजश्री, राजवैभव, राजा की शोभा और शक्ति, राजा की कीर्ति या महिमा।

राजलोक पुं. (तत्.) राजप्रासाद, राजा का महल।

राजवंत वि. (देश.) राजा के कर्म से युक्त।

राजवंश पुं. (तत्.) राजा का कुल, वंश या परिवार, राजकुल, राजाओं का वंश।

राजवर्त्म पुं. (तत्.) राजमार्ग या मुख्य सड़क, एक रत्न।

राजवल्लभ वि. (तत्.) 1. जो राजा को प्रिय हो 2. बड़ा आम, चिरौंजी, खिरनी, पेबंदी बेर आदि के मिश्रण से बनी एक प्रकार की औषध।

राजवार पुं. (तद्.) 1. राजद्वार, राजा की इयोढ़ी 2. न्यायालय।

राजविद्या स्त्री. (तत्.) राजकीय नीति, राजा का कौशल, राजनीति, शासन-कला, श्रेष्ठ विद्या, राजशास्त्र।

राजविद्रोह पुं. (तत्.) राजद्रोह, बगावत।

राज-विवरणिका स्त्री. (तत्.) किसी क्षेत्र का सरकार द्वारा अध्ययन और उससे प्राप्त निष्कर्षों आदि का सरकार द्वारा ही प्रकाशित विवरणात्मक ग्रंथ। gazetteer

राजवीजी वि. (देश.) राजकुल का राजवंशी।

राजवीथी स्त्री. (तत्.) राजमार्ग, मुख्य मार्ग, प्राचीन भारत में राजमार्ग में आकर मिलने वाली गली या सड़क।

राजवैद्य पुं. (तत्.) राजाओं की चिकित्सा करने वाला या उनका पारिवारिक वैद्य अथवा उन पर आश्रित वैद्य, कुशल चिकित्सक।